सामूहिक आत्मनिर्भरता का दूसरा नाम है सहकारिता: अनघा आगवण

वर्धा: हम सब आर्थिक दृष्टि से आत्मनिर्भर होना चाहते हैं पर संसाधनों की कमी के कारण ऐसा हो नहीं पाता। सहकारी संस्था के सदस्य बन कर हम अपने ही आर्थिक संसाधनों को इकट्ठा कर आत्मनिर्भरता की दिशा में बढ़ते हैं क्योंकि सहकारिता का आधार अपनी मदद आप का विचार है। हाल के वर्षों में हमने कुछ एक सहकारी संस्थाओं की जो विफलताएं देखी हैं उसका मुख्य कारण विहित नियमों और प्रक्रियाओं के पालन मैं जानते- समझते हुए की गई कोताहियां थीं। इसलिए आम कर्मचारी के हितार्थ निर्धारित नियम और प्रक्रियाओं का पूरी तरह पालन किया जाना बहुत आवश्यक है। उक्त आशय के उद्गार वर्धा जिला सहकार भारती की उपाध्यक्ष और वर्धा जिला नागरी सहकारी बैंक की संचालिका सुश्री अनघा

आगवन ने व्यक्त किए। वह हिंदी विश्वविद्यालय कर्मचारी सहकारी साख संस्था की पांचवी वार्षिक साधारण सभा में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए व्यक्त किए। वह महादेवी वर्मा सभागार में आयोजित हिंदी विश्वविद्यालय कर्मचारी सहकारी साख संस्था की पांचवी वार्षिक आम सभा में मुख्य अतिथि के रुप में बोल रही थी। संचालक मंडल के सदस्य डॉ अशोक नाथ त्रिपाठी और श्री सुधीर ठाकुर द्वारा अतिथि - सत्कार के बाद साख संस्था के सचिव श्री राजेश अरोड़ा ने घोषणा की कि लगातार 5वें वर्ष भी लेखा परीक्षण में संस्था को ' अ' श्रेणी प्रदान की गई है। इस घोषणा का उपस्थितों द्वारा करतल ध्वनि से स्वागत किया गया। सचिव श्री अरोड़ा ने संस्था का परिचय देते हुए संस्था के तुलन- पत्र, लाभ-हानि पत्र ,आगामी वित्त वर्ष 2019-20 का अनुमानित बजट और भावी योजनाओं की जानकारी दी। साथ ही वर्ष 2018-19 के लिए सदस्यों को अधिकतम सीमा अर्थात 15 प्रतिशत लाभांश की घोषणा भी की।

इसके बाद अध्यक्ष की अनुमति से उठाए गए अन्य मुद्दों पर विचार विमर्श हुआ।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में साख संस्था के अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार दुबे ने कहा कि किसी भी सहकारी साख संस्था की

सफलता और प्रगति संस्था के आम सदस्यों की जागरूकता तथा संचालक मंडल के प्रति उनके विश्वास और समर्थन पर निर्भर करती है।

संचालक मंडल के विशेष आमंत्रित सदस्य श्री गिरीश चंद्र पाण्डेय द्वारा आभार प्रदर्शन के साथ ही आम सभा समाप्त हुई।